Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to pay arrears to the labourers of Heavy Engineering Corporation Ltd., Dhurva, Ranchi, Jharkhand.

श्री राम टहल चौधरी (राँची) : धन्यवाद अध्यक्ष महोदया, मेरे निर्वाचन क्षेत्र रांची में एच.ई.सी (हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन) है, जिसमें मजदूरों की काफी रकम बकाया है जिसके बारे में मैंने पहले भी कई बार यह मुद्दा सदन में उठाया है। मैं शून्य काल में आज अपने लोकसभा क्षेत्र रांची के अंतर्गत स्थित एच.ई.सी कंपनी धुर्वा, रांची (झारखंड) के बारे में सूचित करना चाहता हूं कि पिछले कई वर्षों से एच.ई.सी से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 01-07-1997 से 17-01-2008 तक के पुनरीक्षण एरियर का भुगतान एवं अन्य भत्ते नहीं मिले हैं। कुछ सेवानिवृत्त कर्मचारी पैसों के अभाव के कारण अपनी चिकित्सा सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे बहुत से सेवानिवृत्त कर्मचारी भी थे, जो पैसों के अभाव में अपना इलाज नहीं करा पाएं और उनकी मृत्यु भी हो चुकी है।

हमने इस विषय को संसद में कई बार उठाया है। संसदीय प्रश्न 377 के अंतर्गत मैंने अपने विचार व्यक्त किए हैं और शून्यकाल में भी कई बार इस मामले को उठाया है। यह आश्वासन भी दिया गया कि एचईसी की जमीन को झारखंड सरकार को बेचकर उसकी बकाया धनराशि को प्राप्त करके एचईसी के मजदूरों के बकाया वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। इस संबंध में मैं कई बार माननीय भारी उद्योग मंत्री को पत्र लिख चुका हूं और पर्सनली भी मिल चुका हूं। नियम के अनुसार मजदूरों का बकाया एरियर एवं बकाया वेतन का भुगतान करने की प्राथमिकता दी जाती है। झारखंड सरकार ने एचईसी की जमीन के पैसे का भुगतान कर दिया है। उसके बावजूद भी बकाये का भुगतान नहीं किया, जब कि मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हमने जमीन का पैसा दे दिया है, आप मजदूरों का भुगतान कर दीजिए।

महोदया, त्रिपक्षीय वार्ता समझौता दिनांक 27.11.2006 को हुआ था। जिसमें भगुतान की बात कही गई थी। इसमें 7356 कर्मचारियों का बकाया वेतन है, जिनमें से बहुत से लोगों का देहांत हो गया है।

अतः मैं सदन के माध्यम से भारी उद्योग मंत्री से निवेदन करता हूं कि उन्होंने बार-बार यह आश्वासन दिया है कि बकाया पैसा राज्य सरकार से मिलने के बाद भुगतान कर देंगे, लेकिन उसके बाद भी भुगतान नहीं हुआ है। कंपनी धुर्वा, रांची के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 01.07.1997 से 17.01.2008 तक वेतन पुनरीक्षण एरियर का भुगतान यथाशीघ्र दिलवाने की कृपा करें। चूंकि अभी तक उपरोक्त पुनरीक्षण एरियर का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे मजदूरों में काफी आक्रोश एवं गुस्सा है। इसके पहले भी वे लोग आंदोलन करते रहे हैं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री शरद त्रिपाठी तथा श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री राम टहल चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से रेलवे में जो ऑनलाइन एग्जाम है, उसके नाम पर युवाओं के साथ जो अन्याय हो रहा है…

माननीय अध्यक्ष : आपने इसमें कुछ और विषय दिया है, क्या आप उस विषय को बदलना चाहती हैं?

श्रीमती रंजीत रंजन : मैडम, हां मैं बदलना चाहती हूं।

माननीय अध्यक्ष : आपको पहले बोलना चाहिए, आपकी इस बारे में कोई रिक्वैस्ट नहीं है।